

## Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 24 मई, 2022

### हृदि-प्रशांत आर्थिक रूपरेखा

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने समृद्धि के लिये 'हृदि-प्रशांत आर्थिक ढाँचा' (IPEF) पहल की शुरुआत की। वर्तमान में इसमें अमेरिका के अलावा 12 अन्य देश- भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान, बुरुनेई, इंडोनेशिया, कोरिया, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपसि, सगिापुर, थाईलैंड और वयितनाम शामिल हैं। ये देश वशिव के सकल घरेलू उत्पाद के 40% का प्रतिनिधित्व करते हैं। IPEF का उद्देश्य आने वाले दशकों में हृदि-प्रशांत कषेत्र में प्रौद्योगिकी नवाचार और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिये संबंधों को मजबूत करना है। यह अमेरिका एवं हृदि-प्रशांत कषेत्र में अधिक मजबूत और समायोजी अर्थव्यवस्था सृजति करेगा। ये देश साथ मलिकर 21वीं सदी की अर्थव्यवस्था के लिये नए नियम तय कर रहे हैं, जनिसे उनकी अपनी अर्थव्यवस्थाएँ तेज गतिसे विकसति होगी। जो बाइडेन ने हृदि-प्रशांत के सभी देशों के साथ मलिकर काम करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि IPEF पहल में समायोजी आपूर्ति शृंखला की आधारशाला रखने पर वशिव ध्यान दिया जाएगा जो आपसी वशिव, पारदर्शति और समयबद्धता के साथ महत्त्वपूर्ण आर्थिक मुद्दों पर चीन के कदमों का विकल्प साबति होगी।

### "द अवध क्वाटरेन" का मंचन

चीन की राजधानी पेईचिंग में भारतीय दूतावास तथा हॉन्गकॉन्ग, शंघाई और ग्वांगझोउ में भारत के महावाणजिय दूतावास ने भारत के स्वाधीनता संग्राम के इतिहास को याद करते हुए आज़ादी का अमृत महोत्सव आयोजति कथि। इस अवसर पर अवध के अंतिम शासक नवाब वाजदि अली शाह और उनकी पत्नी बेगम हजरत महल के ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ 1857 के संघर्ष पर आधारति नाटक "द अवध क्वाटरेन" का मंचन कथि गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12 मार्च, 2021 को अहमदाबाद के साबरमती आश्रम में आज़ादी के 'अमृत महोत्सव' (India@75) का उद्घाटन कथि था। आज़ादी का 'अमृत महोत्सव' भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ मनाने हेतु भारत सरकार द्वारा आयोजति कार्यक्रमों की एक शृंखला है। यह महोत्सव जनभागीदारी की भावना के साथ जन उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। ध्यातव्य है कथि कार्यक्रम आगामी 15 अगस्त, 2022 के 75 सप्ताह पूर्व से आयोजति कथि जा रहे हैं।

### जलवायु कार्य गठबंधन की भारतीय शाखा

वशिव आर्थिक मंच ने भारत में जलवायु गतिविधियों और कार्बन मुक्ति प्रयासों में तेजी लाने के लिये जलवायु कार्य गठबंधन की भारतीय शाखा आरंभ की है। वशिव आर्थिक मंच के जलवायु कार्यबल के अंग के रूप में यह गठबंधन पछिले साल ज़ारी कथि श्वेत-पत्र मशिन 2070 में तय कथि गए लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास करेगा। वर्ष 2070 तक भारत को कम कार्बन उत्सर्जन वाला देश बनाने का भी लक्ष्य रखा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महत्वाकांक्षी संकल्प पंचामृत को पूरा करने के लिये इस अभियान में सरकार, व्यापार जगत और अन्य पक्षकारों को शामिल कथि जाएगा। प्रबंधन सलाहकार संस्था कथिरने और भारतीय वचिर मंच ऑब्ज़र्वर रसिर्च फाउंडेशन के बीच सहयोग से यह गठबंधन नेताओं को जलवायु लक्ष्य प्राप्त करने की योजनाएँ और कार्यक्रम तैयार करने में सहयोग करेगा।